B.A.- I CBCS Pattern Semester-I

BA12B-4 - Pali & Prakrit Literature

P. Pages : 5 **GUG/W/23/10013**

Time : Three Hours * 5 3 8 2 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

'इदं खो पन, भिक्खवे, दुक्खं अरियसच्चं। जाति पि दुक्खा, जरा पि दुक्खा, ब्याधि पि दुक्खो, मरणं पि दुक्खं, अप्पियेहि सम्पयोगो दुक्खो, पियेहि वप्पयोगो दुक्खो, यं पिच्छं न लभति तं पि दुक्खं। संखित्तेन पञ्चुपादानक्खन्धा दुक्खा। 'इदं खो पन, भिक्खवे, दुक्खसमूदयं अरियसच्चं - यायं तण्हा, पोनोब्भविका नन्दिराग सहगता तत्रतत्राभिनन्दिनी, सेय्यथीदं - कामतण्हा, भवतण्हा, विभवतण्हा। 'इदं खो पन, भिक्खवे, दुक्खनिरोधं अरियसच्चं - यो तस्सा येव तण्हाय असेसविरागनिरोधो, चागो, पटिनिस्सग्गो मुत्ति, अनालयो। 'इदं खो पन, भिक्खवे, दुक्खनिरोध-गामिनि पटिपदा अरियसच्चं।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवा सत्ताहस्स अच्चयेन तम्हा समाधिम्हा वुट्टहित्वा मुचलिन्दमूला येन राजायतनं तेनुपसङकमि, उपसङकमित्वा राजायतनमूले सत्ताहं एकपल्लङेकन निसीदि विमुत्तिसुखपटिसंवेदी। तेन खो पन समयेन तपुस्सभल्लिका वाणिजा उक्कला तं देसं अध्दान-मग्गप्पटिपन्ना होन्ति। अथ खो तपुस्सभल्लिकानं वाणिजानं ञातिसालोहिता देवता तपुस्सभल्लिकें वाणिजे एतदवोच - "अयं, मारिसा, भगवा राजायतनमूले विहरित पठमाभिसम्बुध्दो, गच्छथं तं भगवन्तं मन्थेन च मधुपिण्डिकाय च पतिमानेथ, तं वो भविस्सति दीघरत्तं हिताय सुखाय। ति।

ब) तिपिटक ग्रंथाचे वर्गीकरण स्पष्ट करा. **6**
तिपिटक ग्रंथ का वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

तिपिटक साहित्याचा परिचय सांगा.
तिपिटक साहित्य का परिचय बताईए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) अङ्गरिनो दानि दुमा भदन्ते, फलेसिनो छदनं विप्पहायं।
ते अच्चिमन्तो व पभासयन्ति, समयो महावीरं भागीरसानं॥

2) दुमानि फुल्लानि मनोरमानि, समन्तनो सब्बदिसा पवन्ति।
पत्तं पहाय फलमाससाना, कालो इतो पक्कमनाय वीरं॥

3) नेवातिसीतं न पनातिउण्हं, सुखा उतू अध्दनिया भदन्ते।
पस्सन्तु तं साकिया कोळिया च, पच्छामुखं रोहिनियं तरन्तं॥

4) आसाय कसते खेत्तं, बीजं आसाय वप्पाति।
आसाय वाणिजा यन्ति, समुद्दं धन हारका।
याय आसाय तिट्ठामि, सा मे आसा समिज्झतु॥

किंवा / अथवा

1) कम्मकामा अनलसा, कम्मसेट्ठस्स कारका।
रागं दोसं पजहन्ति, तेन मे समणा पिया॥

2) तीणि पापस्समूलानि, धुनन्ति सुचिकारिनो।
सब्बं पापं पहीनेसं, तेन मे समणा पिया॥

3) कायकम्मं सुचि नेसं वचीकम्मं च तादिसं।
मनोकम्म सुचि, नेसं, तेन मे समणा पिया॥

4) विमला सङखमुत्ता व, सुध्दा सन्तरबाहिरा।
पुण्णा सुक्कान धम्मान, तेन मे समणा पिया॥

ब) चाफा थेरीचा सारांश लिहा. **6**
चाफा थेरी का सारांश लिखिए।

किंवा / अथवा

सोपाकथेरांचा सारांश लिहा.
सोपाकथेर का सारांश लिखिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

इथ धमालिपी देवानंप्रियेन प्रियदसिनाराञ्ञा लेखापिता।
इध न किंचि जीवं आरभित्वा प्रजूहितब्य।
न च समाजो कतब्यो।
बहुकं हि दोसं समाजम्हि पसति देवानंप्रियो प्रियंदसिराञा।
अस्ति पि तु एकचा समाजा साधुमता देवानंप्रियस प्रियदसिणो राञो।
पुरा महानसम्हि देवानंप्रियस प्रियदसिनो राञ्ञो
अनुदिवसं बहूनि प्राणसतसहम्रानि आरभिसु सूपाथाम।
से अज यदा अयं धमलिपी लिखिता ती एव प्राणा
आरभरे सूपाथाय द्वो मोरा एको मगो सो पि भगो न ध्रवो।
एते पि ञी प्राणा पछा न आरभिसरे।

किंवा / अथवा

अतिकातं अंतरं बहूनि वाससतानि वढिनो एव प्राणारंभे विहिंसा च भूतानं यातीसु असंप्रतिपती ब्राहण समणानं असंप्रतीपती।
तं अज देवानंप्रियस प्रियदसिनो राञो धमंचरणेन भेरीघोसो अहो धमंघोसो विमानदसणा च हस्तिदसणा च अगिखंद्यानि च अञानि च दिब्यानि रुपानि दसयित्वा जनंयारिसे बहूहि वाससतेहि न भूतपुवे तारिसं अज वढिते देवानंप्रियस प्रियदसिनो राञो धमानुसस्टिया अनारभो प्राणानं अविहींसा भूतान यातीन संपटिपतो ब्रह्मणसमणानं संपटिपती भातरि सुसुसा वैरसुसुसा

ब) सम्राट अशोकाचे बुध्द धम्माला योगदान. **6**
सम्राट अशोक का बुध्दधम्म को योगदान।

किंवा / अथवा

दुतिय गिरनार शिला अभिलेख सांगा.
दुतिय गिरनार शिला अभिलेख बताईए।

4. अ) विभक्ती रुपे तयार करा **कोणतेही एक.** **4**
विभक्ती रुप तयार कीजिए **कोई भी एक।**

1) बुध्द 2) लता
3) अट्ठिं

ब) वर्तमानकाळातील रुपे तयार करा **कोणतेही दोन.** **4**
वर्तमान काल के रुप तयार कीजिए **कोई भी दो।**

1) रक्ख 2) हिंस
3) गम 4) कर

क) स्वीकृत माध्यमात भाषांतर करा. **4**
स्वीकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) लता रक्खे कम्पति।

2) सो दारको गाथायो पठति।

3) अहं सीलं समादियामि।

4) बुध्दो भिक्खाय गामं गच्छति।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) तो गावाला जात आहे.
वह गाव जा रहा है।

2) तु नगरात फुले पाहतोस.
तुम नगर में फूल देखते हो।

3) आम्ही बुध्दाला नमस्कार करतो.
हम बुध्द को नमस्कार करते है।

4) मी संघाला सरण जातो.
मै संघ को सरण जाता हूँ।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो।**

1) विनयपिटक 2) थेरीगाथा

3) थेरगाथा 4) सम्राट अशोक

ब) योग्य पर्याय लिहा. **10**
योग्य पर्याय लिखिए।

1) बौध्द धम्माचा संस्थापक कोण.
बुध्द धम्म का संस्थापक कौन।
अ) शुध्दोधन ब) महावीर
क) गोतम बुध्द ड) ईश्वर

2) पालि तिपिटक साहित्याचे वर्गीकरण किती अंगात होते.
पालि तिपिटक साहित्य का वर्गीकरण कितने अंग में होता है।
अ) एक ब) दोन
क) तीन ड) चार

3) खुद्दकनिकाय ग्रंथाचे स्वतंत्र किती ग्रंथ आहेत.
खुद्दकनिकाय ग्रंथ के स्वतंत्र कितने ग्रंथ है।
अ) 10 ब) 12
क) 14 ड) 15

4) का ते श्रमण प्रिय आहेत सांगणारी थेरी कोण?
क्यों वह श्रमण प्रिय है बतलानेवाली थेरी कोण?
अ) चाफा ब) रोहीणी
क) पुण्णा ड) आम्रपाली

5) या थेराचा जन्म चाण्डाळ कूळात झाला.
इस थेर का जन्म चाण्डाल कूल में हुआ।
अ) सोपाक ब) काळुदायी
क) आनंद ड) महानाम

6) तथागतांचा बालमित्र असलेल्या थेरांचे नाव काय?
तथागत के बालमित्र रहनेवाले थेर का नाम क्या?
अ) काळुदायी ब) आनंद
क) महानाम ड) अनिरुध्दं

7) पशुचिकित्सालय काढणारा प्रथम राजा कोण.
पशुचिकित्सालय निकालनेवाला प्रथम राजा कौन।
अ) सम्राट अशोक ब) सम्राट अकबर
क) सम्राट चंद्रगुप्त ड) राजा बिंबिसार

8) देवानपियं पियदस्सीच्या पाकशाळेत या प्राण्याची हत्या होत होती.
देवानपियं पियदस्सी के पाकशाला में इस प्राणी की हत्या कि जाती थी।
अ) सिंह ब) मोर
क) गाय ड) घोडा

9) पालित कारक किती आहेत.
पालि में कारक कितने है।
अ) 07 ब) 08
क) 09 ड) 10

10) पालित मोग्गल्लायन व्याकरणकार किती वर्ण मानतो.
पालि में मोग्गल्लायन व्याकरणकार कितने वर्ण मानते है।
अ) 40 ब) 41
क) 42 ड) 43

****